(ग) इस ऋण पर प्रति वर्ष ब्याज के रूप में कितनी राशि का भुगतान किया जा रहा है ;

(घ) प्रत्येक देश से ली गयी राशि को कब तक लौटाया है ;

(ङ) क्या पिछली सरकार अथवा वर्तमान सरकार द्वारा इन ऋणों को चुकाने के लिए प्रयास किये गये हैं ; और

(च) यदि हां, तो ऋण की कितनी राशि लौटायी जा चुकी है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) वर्ष 1992–93 के अंत में कुल विदेशी ऋण (अनिवासी भारतीय जमा राशियां और रक्षा ऋण सहित) की बकाया राशि 90.09 बिलियन अमरीकी डालर थी।

(ख) नामों और बकाया ऋण की राशि के बारे में विस्तृत जानकारी विदेशी सहायता पुस्तिका–1992:93 और आर्थिक समीक्षा 1993–94 में दी गयी है। इन दोनों दस्तावेजों की प्रतियां सदन के पुस्तकालय में रखी हुई हैं।

(ग) वर्ष 1992–93 के दौरान इस ऋण पर भुगतान की गई ब्याज की राशि 3725 मिलियन अमरीकी डालर थी।

(घ) और (ङ) इन विदेशी ऋणों का दाताओं के साथ परस्पर सहमत प्रत्येक ऋण करार की शर्तों के अनुसार देय तारीखों को ही भुगतान किया जा रहा है। विदेशी ऋण को जिस गति से कम किया जा सकता है वह चालू खाते में भुगतान संतुलन से संबंधित सम्भाव्य अधिशेष और ऋण भिन्न पूंजी के अंत-प्रवाह के प्रवाह पर निर्भर करता है। परन्तु इस समय उस वर्ष, जब तक यह सम्पूर्ण विदेशी ऋण चुकता हो जाएगा, के बारे में बताना सम्भव नहीं है।

(च) 1993–94 के दौरान रक्षा और अनिवासी भारतीय जमाराशियों को छोड़कर 36320 लाख अमरीकी डालर की ऋण की राशियों का भुगतान किए जाने का अनुमान है। वर्ष 1994–95 के दौरान भुगतान के आंकड़े वर्ष की समाप्ति के बाद संकलित किए जाएंगे।

Introduction of value added tax system

979. MISS SAROJ KHAPARDE: will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether he has recently emphasised the need for further import liberalisation by removing quantitative import restrictions; as per the news report appearing in the Hindustan Times, dated 20th October, 1994 entitled "Value added tax system **to** be introduced soon"; and

(b) if so, what final decision the Central Government have taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V.CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (b) Yes, Sir. Reduction of quantitative restrictions on imports forms part of Governments declared policy of fostering competitiveness and promoting cost and quality consciousness in Indian Industry.

Assets of UTI

980. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the total present assets of UTI;

(b) what had been the total investment mobilization of UTI during the last three years, yearwise;

(c) how many schemes are there ia operation wherein UTI bas to